Total No. of Printed Pages—4

2 SEM TDC HND M 1

2014

(May)

HINDI

(Major)

Course : 201

(प्राचीन एवं मध्य काव्य)

Full Marks : 80
Pass Marks : 32

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×4=32

(क) खने खने नयन कौन अनुसरई। खने खने बसन धूलि तनु भरई।
खने खने दसन-जटा छुट हास। खने खने अधर आगे गहु बास।
चऊँकि चलए खने खने चलुँ मंद। मनमथ-पाठ पहिल अनुबंध।
हिरदय-मुकुल हेरिहेरि थोर। खने आँचर बए खने होए भोर।
बाला सैसव-तारुन भेद। लखए न पारिअ जेठ कनेठ।
विद्यापति कह सुनु बर कान। तरुनिम सैसब चिह्न न जान।

(Turn Over)

(ख) सुनु ऊधौ! ह्याँ कौन सयानी? तुम तौ महापुरुष-ज्ञानी॥
जोगी होय सो जोगहि जानै। नवधा भक्ति सदा मन मानै॥
भाव-भगति हरिजन चित धारे। ज्योति रूप सिव सनक बिचारै॥
तुम कह रचि रचि कहत सयानी। अबला हरि के रूप दिवानी॥
जात पीर बंझा नहिं जानै। बिनु देखे कैसे रुचि मानै॥
फिरि फिरि कहे वहै सुधि आवै। स्याम रूप बिनु और न भावै॥

(ग) हरि जननि मैं बालक तेरा, काहे न औगुण बकसहु मेरा।
सुत अपराध करै दिन केते, जननी कै चित्त रहै न तेते।
कर गहि केस करै जो घाता, तऊ न हेत उतारे माता।
कहै कबीर एक बुधि विचारी, बालक दुखी दुखी महतारी॥

(घ) चढ़ा आसाढ़ गगन घन गाजा। साजा बिरह दुन्द दल बाजा॥
धुम, साम घोर घन धाए। सेत ध्वजा बँग पाँति देखाए॥
खड़ग-बीजु चमकै चहु ओरा। बुंद-बान बरसहि खन घोरा॥
ओनई घटा आई चहुँ फेरी। कंत! उबारू मदन हौं घेरी॥
दादुर, मोर, कोकिला पीऊ। गीरे बीजु, घट रहे न जीऊ॥
पुष्प नखत सिर उपर आवा। हौं बिनु नाह, मंदिर को छावा॥

(ङ) बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाई।
सौंह करै भौंहनु हँसै, दैन कहै नटि जाई॥
बड़ेन हुजे गुननु बिन, विरद बड़ाई पाई॥
कहत धतुरे सौं कनक, गहनौं गढ्यौ न जाय॥
मेरी भव-बाधा हरौं, राधा नागरि सोई।
जा तन की झाँई परे, स्याम हरित-दुति होई॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×4=16

(क) विद्यापति के पदों के आधार पर कवि की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।

(Continued)

(ख) 'भ्रमरगीत' के आधार पर गोपियों के विरह-वर्णन पर प्रकाश डालिए।

(ग) प्रेमगाथा की परम्परा में 'पद्मावत' का अद्वितीय स्थान है। स्पष्ट कीजिए।

(घ) कबीर के पदों में निर्गुण भक्ति का स्वरूप मिलता है। सतर्क उत्तर दीजिए।

(ङ) बिहारी के काव्य के भाव-सौन्दर्य पर अपने विचार लिखिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए : 1×8=8

(क) विद्यापति किस काल के कवि हैं?

(ख) सूरदास के गुरु का क्या नाम था?

(ग) 'बिहारी सतसई' में कितने दोहे हैं?

(घ) कबीर के गुरु का नाम लिखिए।

(ङ) जायसी का पूरा नाम लिखिए।

(च) बिहारी के काव्य का मूल स्वर क्या है?

(छ) जायसी के दो ग्रंथों के नाम लिखिए।

(ज) राजा शिवसिंह किस कवि के आश्रयदाता थे?

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8×3=24

(क) विद्यापति की राधा सूर की राधा से किस तरह अलग है, उनके काव्यों के आधार पर इस तथ्य को रेखांकित कीजिए।

(Turn Over)

(ख) कबीर की प्रेममूला भक्ति को उनकी रचनाओं के आधार पर प्रतिपादित कीजिए।

(ग) नागमती के विरह-वर्णन में बारहमासा के प्रयोग की सुन्दरता पर प्रकाश डालिए।

(घ) बिहारी तथा देव के काव्य का मूल्यांकन तुलनात्मक रूप से कीजिए।

★★★